

हस्तलिखित देवनागरी फॉन्ट - शरद ७६

Design of a Handwritten Devanagari Font - Sharad 75

*Designer - Kimya Gandhi
Type Foundry - Mota Italic
Published in - 2016
Client - Setu Advertising*

Intent

Rugwed Deshpande, of Setu Advertising wanted to commission the design of a typeface based on the handwriting of his father, Mr. Sharad Deshpande who has been a prolific copywriter for 50 years and has been an intrinsic part of Setu. Rugwed explained how handwriting has been an important aspect of his copy-writing career.

Mr. Deshpande maintained many diaries documenting his writings and what made them extra special was his beautiful, neat handwriting. It was when he suffered a mild paralysis attack, that he lost the ability to write a couple years back. It was disheartening for a copywriter who was so proud of his writing, to not be able to continue doing what he loved so much. But the Deshpande brothers decided to gift their father something very unique on his 75th birthday – his handwriting.

Current technology makes it possible to convert a person's handwriting into a digital font that they can use to type. Rugwed saw great potential in this idea and approached me with this project proposal. This gesture was so overwhelming and it's been humbling to be a part of this project.



Alternates

Study of the handwritten text revealed many different versions of the same letter. To keep the nature of the handwritten text intact, it was decided to include many alternates of each letter instead of selecting just one. Handwritten fonts without alternates look too uniform so the illusion of realism is lost. While choosing the alternates, it was important to make sure the alternates were not too different but at the same time, not too similar. Alternates were selected based on the ones that were the most repeated and best representing the overall look of the handwriting.

शरद देशपांडे

शरद देशपांडे

शरद देशपांडे

शरद देशपांडे

अँ अँ अ अ अ आ आ इ इ ई ई उ उ उ ऊ ऊ
ऋ ऋ एँ एँ ए ए ए ऐ ऐ ओ ओ औ औ । । । ।
ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि
ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि
ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि ि
क क क क ख ख ख ख ग ग ग ग घ
घ घ ध उ च च च च छ छ छ छ ज ज ज ज झ झ झ झ
ञ ट ट ट ट ठ ठ ठ ठ ड ड ड ड ढ ढ ढ ढ त
त त त थ थ थ थ द द द द ध ध ध ध न न न न प प प
प फ फ फ फ ब ब ब ब भ भ भ भ म म म म य य य
य र र र र ल ल ल ल ल ल ल ल व व व व श श श
श श श ष ष ष ष स स स स ह ह ह ह क क क क क्ष क्ष
ख ख ग ग ग ग च च च च ज ज ज ज झ झ झ झ
ट ट थ थ द द ध ध ध ध न न न न प प प प ल
ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल
उ उ इ इ उ उ ट ट ट ट ड ड ड ड ढ ढ ढ ढ त
त त त थ थ थ थ द द द द ध ध ध ध न न न न प प प
प फ फ फ फ ब ब ब ब भ भ भ भ म म म म य य य
य र र र र ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल ल
० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
! . ? " ' () - " " ' ' | || | || | |
। २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९
० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ ० १ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९

Contextual Alternates

अ अ अ आ आ
इ इ ई ई
उ उ उ ऊ
ए ए ए ऐ
क क क क
ख ख ख ख
ग ग ग ग
घ घ घ घ
च च च च
छ छ छ छ
ज ज ज ज
झ झ झ झ
ट ट ट ट

ठ ठ ठ ठ
ड ड ड ड
ढ ढ ढ ढ
ण ण ण ण
त त त त
थ थ थ थ
द द द द
ध ध ध ध
न न न न
प प प प
फ फ फ फ
ब ब ब ब
भ भ भ भ

म म म म
य य थ य
र र र र
ल ल ल ल
ळ ळ ळ ळ
व व व व
श श श श
ष ष ष ष
स स स स
ह ह ह ह
। । । ।

Opentype Features

Contextual alternates

कककककिरन

दददददुर

पपपपप्यारा

ननननना

ने पेपैपो पेपैपो

र्म र्व र्व

००७ २२१ ४४५

Conjuncts

क्र क्रय क्ष क्ष्य ख्र ग्र ग्य घ्र च्र ज्ञ झ्न
झ्र ट्र ड्र ढ्र ढ्रु ड्रु लृ ष्रु ड्रु ण्र त्र त्रश्च
द्र द्रध् ध्र ध्रु द्रु ध्रु न्र प्रप्र फ्र ब्र प्र्य भ्र
म्र ग्र लृ व्र वह्र श्र श्र्य श्ल श्व स्र ए छ ह्य

i-Matra lengths

रि कि चि खि ल्यि क्स्फि की री

Puncuations

“क्या कहा तुमने?”

कब। कहाँ। क्यू। किधर।

हा हा हा! (हशा)

Sharad Typeface next to a scan of the handwriting.

रविवार ४ एप्रिल ९३

आजादी के बाद से ही सरकार ने इष्टा की निगरानी शुरू कर दी. इसके नाटकों को प्रतिबंधित किया गया, सेंसर और ड्रामेटिक एक्ट का डंडा चला कर कई प्रदर्शनों और प्रसार को रोका डॉ. सरोजिनी बाबर.

या पुस्तकाचे शब्दांकन माझे.

सदस्य भूमिगत होने लगे. ऐसे माहौल में इलाहाबाद कांफ्रेस में बलराज साहनी ने व्यंग्य नाटक 'जादू की कुर्सी' का मंचन किया जिसमें सत्ता के चरित्र की तीखी आलोचना थी. पीसी जोशी के बाद बीटी रणदिवे भाकपा के महासचिव बने. पार्टी की नीतियां और इष्टा के प्रति उसका रवैया बदला.

पार्टी जो थोड़ी बहुत आर्थिक सहायता इष्टा को देती थी, वह बंद कर दी गई. इष्टा में बहुत से ऐसे लोग भी थे जो पार्टी मेंबर

रविवार ४ एप्रिल ९३

सायंकाळचे ६ वाजलेत. टिळकस्मार्तक मंदिरात

मौ. सुशिला कुलकर्णी (डी. एस. कुलकर्णीच्या आई) यांच्या

आत्मकथनात्मक 'क्षण वेचता वेचता' पुस्तकाचे प्रकाशन.

हस्ते- श्री. विजय कुवळेकर (संपादक दै. सकाळ) प्रमुख पाहुण्या-

डॉ. सरोजिनी बाबर.

या पुस्तकाचे शब्दांकन माझे.

निवेदक- आनंद देशमुखनी पुस्तकाचे शीवटचे पान वाचून दारबबले आणि त्या मजकुराने श्रोते हेलावून गेले.. समारंभ चढत्या क्रमाने वाढत गेला.

विजय कुवळेकर, डॉ. सरोजिनी बाबरनी तर पुस्तकातले उतारे, वाक्ये वाचून दारबबली. क्षणाक्षणाने मी-मौ. उवा सुरवात होती.

माझ्या शब्दवैभवाच्या श्रीमंतीने मीच दिवून गेली होती. इतरांच्या

Sharad 75, 11/17 point

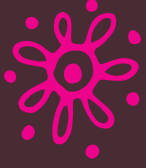
कनटिक के मुख्य वन्यजीव संरक्षक रवि राल्फ ने बताया, “शिव कुमार कटड़े को बांध रहे थे कि उन्हें बाघ की गुरहिट सुनाई दी, फिर वन रक्षक की चीख निकली और तभी निशानेबाज़, सुशील कुमार ने बाघ को गोली मार दी.” मशहूर लेखिका राज थापर ने अपनी किताब 'ऑल दोज़ डेज़' में ज़िक्र किया है, “कम्युनिस्ट पार्टी में नेहरू को लेकर गंभीर मतभेद उभरने लगे.” इतना कि, बकौल राज थापर, नेहरू का समर्थन करने के लिए कम्युनिस्ट पार्टी के कुछ लोग पीसी जोशी की हत्या करने पर आमादा हो गए. नतीजा, पीसी जोशी को पार्टी से निकाल दिया गया.” आजादी के बाद से ही सरकार ने इप्ता की निगरानी शुरू कर दी. इसके नाटकों को प्रतिबंधित किया गया, सेंसर और ड्रामेटिक पफ़र्मिस एक्ट का उंडा चला कर कई प्रदर्शनों और प्रसार

Sharad 75, 14/21 point

कनटिक के मुख्य वन्यजीव संरक्षक रवि राल्फ ने बताया, “शिव कुमार कटड़े को बांध रहे थे कि उन्हें बाघ की गुरहिट सुनाई दी, फिर वन रक्षक की चीख निकली और तभी निशानेबाज़, सुशील कुमार ने बाघ को गोली मार दी.” मशहूर लेखिका राज थापर ने अपनी किताब 'ऑल दोज़ डेज़' में ज़िक्र किया है, “कम्युनिस्ट पार्टी में नेहरू को लेकर गंभीर मतभेद उभरने लगे.” इतना कि, बकौल राज थापर, नेहरू का समर्थन करने के लिए कम्युनिस्ट पार्टी के कुछ लोग पीसी जोशी की हत्या करने पर आमादा हो गए. नतीजा, पीसी जोशी को पार्टी से निकाल दिया गया.” आजादी के बाद से ही सरकार ने इप्ता की निगरानी शुरू कर दी. इसके नाटकों को प्रतिबंधित किया

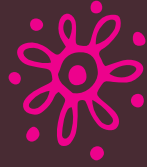
Sharad 75, 20/29 point

कनटिक के मुख्य वन्यजीव संरक्षक रवि राल्फ ने बताया, “शिव कुमार कटड़े को बांध रहे थे कि उन्हें बाघ की गुरहिट सुनाई दी, फिर वन रक्षक की चीख निकली और तभी निशानेबाज़, सुशील कुमार ने बाघ को गोली मार दी.” मशहूर



अ आ आई, म म मका
मी तुझा मामा दे मला मुका

प प पतंग आभाळात उडे
ढ ढ ढगांत चांदीमामा दडे
घ घ घड्याळ, थ थ थवा
बाळ जरी खट्याळ, तरी मला हवा



ह ह हम्मा गौड दूध देते
च च चिऊ अंगणात येते
भ भ भटजी, स स ससा
मांडीवर बसा नि खुदकन हसा



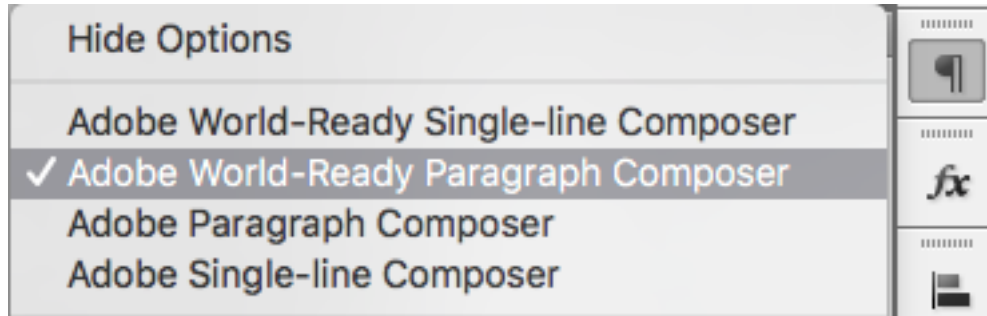
क क कमळ पाण्यावर डुले
ब ब बदक तुरुतुरु चाले
ग ग गाडी झुकझुक जाई
बाळ माझे कसे गौड गाणे गाई

मित्रहो,
माझ्या सभ्यतेला
आव्हान देऊ नका.
मला जाणीव आहे-
माझ्यात जगाला बदलण्याची
शक्ती नाही...
माझी ती महत्त्वाकांक्षा नाही.
माझ्या असण्या नसण्यानं
जगाच्या व्यवहारात
काहीही फरक पडणार नाही.
पण काही उद्देशानं
परमेश्वरानं मला
या पृथ्वीवर पाठवलंय.
माणूस आणि माणूसकी
या दोन गोष्टींवर अपरंपार
असणा-या सद्भावना आणि
श्रद्धेची शिंदीरी त्यानं मला
इथे येताना दिली आहे
आणि माझ्या शेवटच्या
श्वासापर्यंत ती मी पुरवून
पुरवून वापरणार आहे
महणूनच
सभ्यता, सदाचार, सद्दिचार
या सकारात्मक जगण्यानं
मी माझ्या वाट्याला
आलेलं हे सुंदर आयुष्य
अधिक सुंदर, शोभिवंत
करून इतरांना आनंद
देऊन जाणार आहे

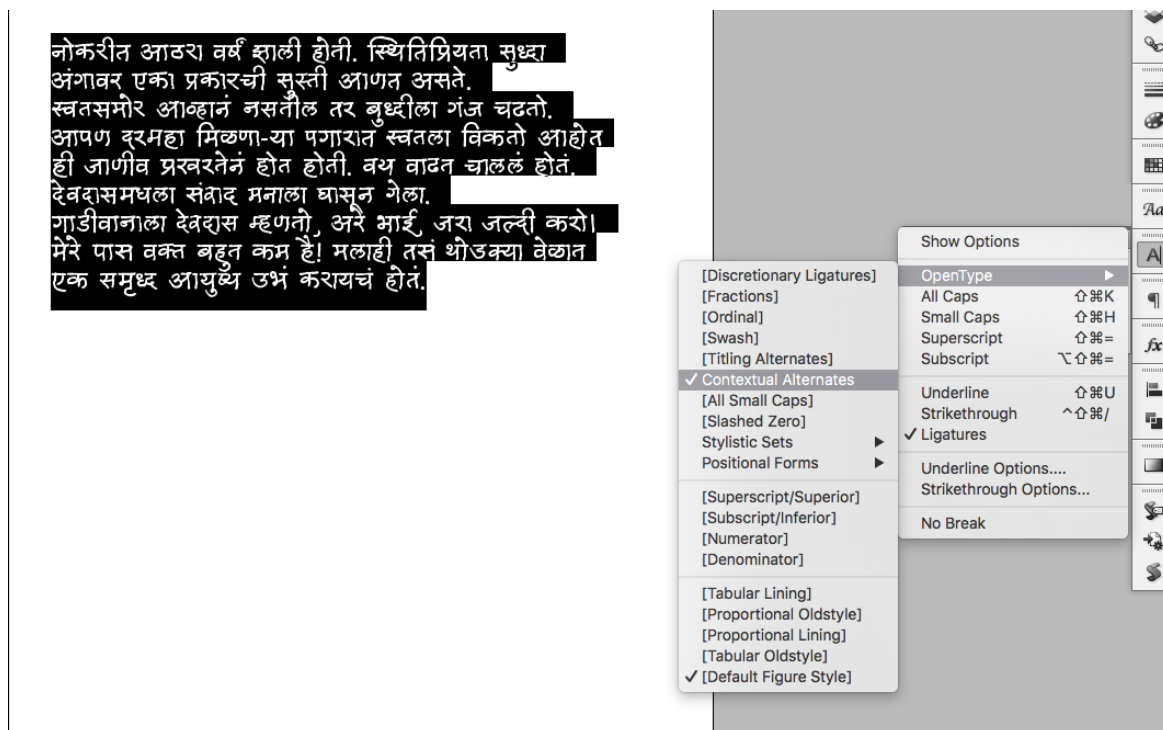
शरद देशपांडे

Here are some useful tips to use the font to enable all its features:

1. Download the font and save it in your fonts folder
2. When you open InDesign, it should show in your list of fonts now.
3. You can type your text in here but make sure that the language is changed to Hindi/ Marathi as per requirement and you have checked the World-Ready Paragraph Composer from the Paragraph settings.



4. To make sure you see the alternates work, go to the OpenType features panel in the Character settings and check Contextual Alternates on.



5. You should be able type and have fun with changing alternates!

Some other important information regarding font rendering:

1. The alternates feature is not supported on MS Word on Mac but you can use Text Edit instead.
2. Font will work on Windows in Word, you may have to check advanced font features in the Format Menu and turn on Contextual alternates.

धन्यवाद!